रिटायरमेंट प्लानिंग मे देरी से क्या नुकसान होता है?

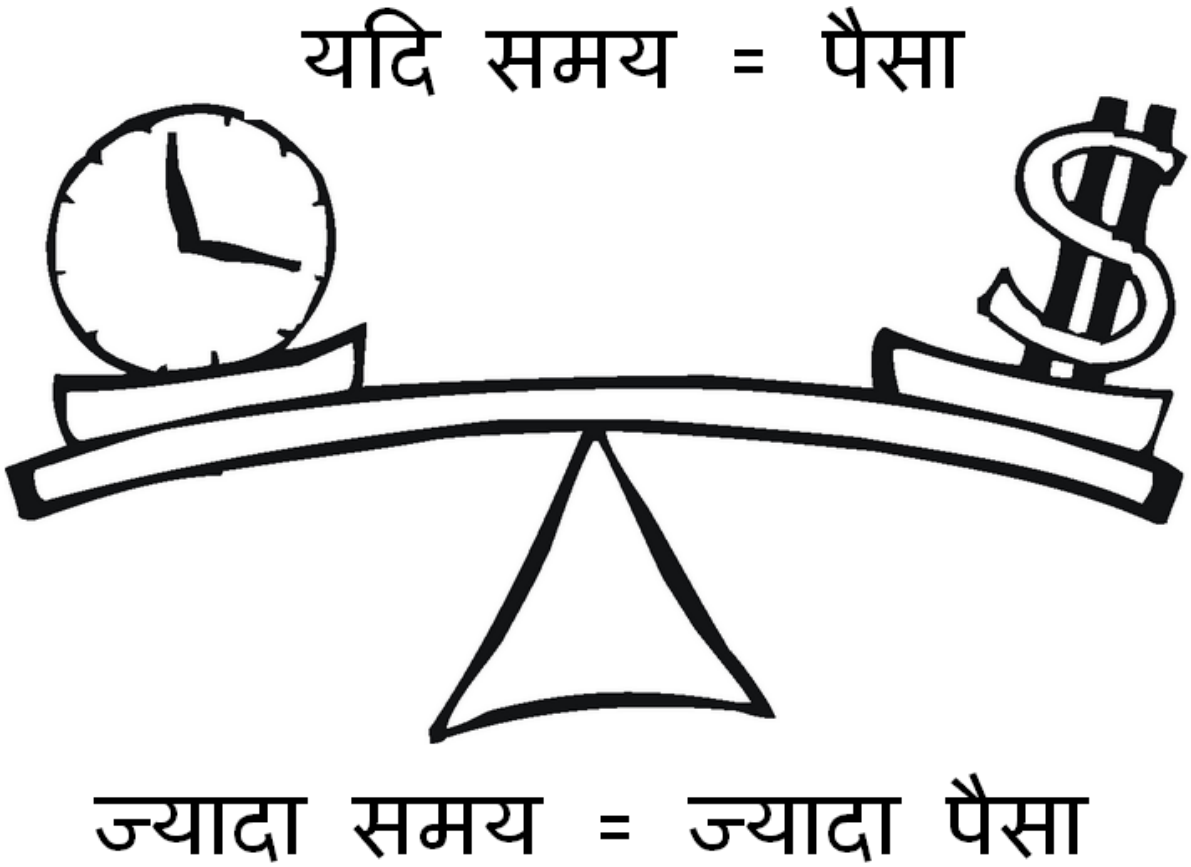

मोहन ५२ साल के है और वह एक प्राइवेट कंपनी मे काम करते है। उनके घर पे उनकी पत्नी और दो बच्चे है। अपने वित्तीय प्रतिबद्धताओं की वजह से मोहन ने अब तक सेवानिवृत्ति के लिए बचत करने के बारे मे कभी सोचा ही नहीं।

सेवानिवृत्ति योजना (रिटायरमेंट प्लानिंग) पर एक लेख पढ़ने के बाद, एक दिन अचानक उसे रिटायरमेंट के लिए बचाने की जरूरत का एहसास हुआ। मोहन ऐसे अकेले व्यक्ति नहीं है, उनके जैसे लाखो लोग है, जिन्हें रेतिरेमेंट के लिए जल्द से जल्द बचत शुरू करने के फायदों के बारे मैं अंदाज़ा नहीं है।

जल्द से जल्द रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करने के क्या फायदे होते है, इस बात को एक उदहारण के माध्यम से समझने की कोशिश करते है।

	चेतन	पवन	रोहन	सोहन	मोहन
वर्तमान उम्र	२२	३०	३६	४२	५२
सेवानिवृत्ति का इच्छित उम्र	६०	६०	६०	६०	६०
बचत के लिए वर्ष	३८	३०	२४	१८	८
निवेश प्रति माह	५०००	५०००	५०००	५०००	५०००
अनुमानित रिटर्न	८%	८%	८%	८%	८%
६० साल की उम्र में कुल रिटायरमेंट फंड	१३६९६९१७	७०४२७५३	४१५०७२७	२३२८२६०	६६१२७३

जैसा कि आप उपरोक्त तालिका से देख सकते हैं, ६० साल की उम्र में चेतन के पास एक विशाल सेवानिवृत्ति कोष होगा, जो सेवानिवृत्ति के बाद उसके जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त होगा, जबकि मोहन के पास बहुत ही छोटा सा सेवानिवृत्ति कोष होगा।

भविष्य में चेतन अगर सेवानिवृत्ति के लिए बचत करना बंद करना चाहता है, वह ऐसा कर सकता है। अगर ३५ वर्ष की उम्र मैं अन्य वित्तीय प्रतिबद्धताओं के वजह से वह रिटायरमेंट के लिए बचत करना बंद करना चाहता है तो वह बेफिक्र होकर ऐसा कर सकता है।

३५ साल की उम्र तक, उसकी सेवानिवृत्ति कोष मे राशि लगभग १३३६३५० रुपए जमा हो जाएंगे।

३५ वर्ष की उम्र के बाद भले ही वह कोई नया निवेश न करे उसके रिटायरमेंट के लिए २५ साल अभी बचे है। ऊपर बताये गए १३३६३५० रुपए का निवेश २५ साल के अंत में (८% चक्रवृद्धि ब्याज मानते हुए) लगभग ९१५१९६० रुपए जमा हो जाएगा।

उचित योजना किसी भी कार्य में सफलता के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

रिटायरमेंट के लिए योजना तैयार करना भी बिलकुल ऐसा ही है। हमेशा याद रखे अगर अगर आप फिर किसी दिन इसे शुरू करने के लिए टालते रहे, तो शायद वह दिन कभी नहीं आयेगा क्यूंकि जैसे जैसे उम्र बढती है जिम्मेदारिया भी बढती है जैसे शादी के बाद घर के खर्च, घर का लोन आदि।